No. of Printed Pages : 3 **बी.एच.डी.ई.-101 / ई.एच.डी.-1**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

00684 **दिसम्बर, 2016**

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

बी.एच.डी.ई.-101 / ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है ।*

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) बोधा गाड़ी पर लेट गया ? भला ? आप भी चढ़ जाओ । सुनिए तो; सूबेदारनी होराँ को चिट्ठी लिखो तो मेरा मत्था टेकना लिख देना । और जब घर जाओ तो कह देना कि मुझसे जो उन्होंने कहा था, वह मैंने कर दिया ।

(ख) जो काँटा बोया है, उसका फल खाते क्यों इतना डरते हो ? जिसकी गर्दन पर कटार चलाई है, जरा उसे तड़पते भी तो देखो । मेरे दादाजी ने पाँच हज़ार दिये ना ! अभी छोटे भाई के विवाह में पाँच-छह हज़ार और मिल जायेंगे । फिर तो तुम्हारे बराबर धनी संसार में कोई दूसरा न होगा । ग्यारह हज़ार बहुत होते हैं । बाप-रे-बाप ! ग्यारह हज़ार ! उठा-उठाकर रखने लगें, तो महीनों लग जायें ।

(ग) बार-बार राजनीति ! प्रत्येक प्रश्न में राजनीति ! राज्य का समाहर्त्ता राज्य के महामंत्री से राजनीति के रहस्य नहीं कहना चाहता ? और आसव-पान करने में भी तुम्हारी राजनीति है ! हाँ, तुम्हारी नहीं, मेरी है । समाहर्त्ता ! यदि तुम नहीं चाहते तो मैं तुमसे राजनीति के रहस्य खोलने के लिए नहीं कहूँगा । कविता की बातें कहूँगा । कविता की बातें कर सकते हो ?

(घ) राजा का भय, मन्दा का गला नहीं घोंट सकता । तुम लोगों को यदि कुछ भी बुद्धि होती, तो इस अपनी कुलमर्यादा, नारी को, शत्रु के दुर्ग में यों न भेजते । भगवान ने स्त्रियों को उत्पन्न करते ही अधिकारों से वंचित नहीं किया है । किन्तु तुम लोगों की दस्यु-वृत्ति ने उन्हें लूटा है ।

(ङ) यह कथा अनेक क्षेपको-मय विस्तार के साथ सुनाई तो गई थी मेरा मन फेरने के लिए और मन फिरा भी, परंतु किसी सनातन नियम से कथावाचक की ओर न फिरकर कथा के नायकों की ओर फिर गया और इस प्रकार घीसा मेरे और अधिक निकट आ गया । वह अपना जीवन-संबंधी अपवाद कदाचित् पूरा नहीं समझ पाया था; परंतु अधूरे का भी प्रभाव उस पर कम न था; क्योंकि वह सबको अपनी छाया से इस प्रकार बचाता रहता था, मानो उसे कोई छूत की बीमारी हो ।

2. हिन्दी कहानी के विकास पर संक्षिप्त निबंध लिखिए । *16*

3. विभाजन की विभीषिका के आलोक में 'शरणदाता' कहानी की कथावस्तु का विवेचन कीजिए । *16*

4. 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर मुंशी तोताराम की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए । *16*

5. नारी-समस्या की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की विशेषताएँ बताइए । *16*

6. एकांकी नाटक की दृष्टि से 'कौमुदी-महोत्सव' का विवेचन कीजिए । *16*

7. 'नाख़ून क्यों बढ़ते हैं ?' निबंध की अंतर्वस्तु पर विचार कीजिए । *16*

8. हिन्दी नाट्य-परंपरा में जयशंकर प्रसाद का स्थान निर्धारित कीजिए । *16*

9. निबंध विधा की विशेषताएँ बताइए । *16*

10. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×8=16*

    (क) संस्मरण और रेखाचित्र

    (ख) 'शतरंज के खिलाड़ी' की भाषिक विशेषता

    (ग) उपन्यास और 'निर्मला'

    (घ) 'ध्रुवस्वामिनी' का संरचना-शिल्प

    (ङ) 'रात बीतने तक' की कथावस्तु

    (च) 'पगडंडियों का ज़माना' का व्यंग्य